

Philosophy (दर्शन)

इंग्रजी 'Philosophy' शब्दको अर्थ ग्रीक शब्द - 'Philos' अर्थात् 'Sophia' अर्थात् 'Philos' अर्थात् 'love' (प्रेम, मोहना वा अनुसंधान) अर्थात् 'Sophia' अर्थात् 'Knowledge' वा 'Wisdome' (ज्ञान)। अतः 'Philosophy' अर्थात् ज्ञानको प्रेम अर्थात् अनुसंधान।

प्राचीन अस्तित्व अज्ञात इंग्रजी अर्थ 'Philosophy' शब्दको 'दर्शन' अर्थात् ज्ञानको प्रेम अर्थात् अनुसंधानको अर्थ देखाको प्रयोगको अर्थ।

'दर्शन' शब्दको अर्थ अज्ञात अस्तित्व ज्ञानको प्रेम अर्थात् अनुसंधानको अर्थ देखाको प्रयोगको अर्थ।

दृश्यते यथार्थतया ज्ञायते वस्तुतत्त्वम्
अनेन इति दर्शनम्।

अर्थः यथा यथा ज्ञानको अर्थ अर्थात् अनुसंधानको अर्थ देखाको प्रयोगको अर्थ। अतः 'दर्शन' अर्थात् ज्ञानको प्रेम अर्थात् अनुसंधानको अर्थ देखाको प्रयोगको अर्थ।

प्राचीन दर्शन शब्दः द्विविधः —

- 1) अस्तित्व दर्शन
- 2) नैतिक दर्शन।

अग्निक दमनः : त्रिविधक दमन इवद्व अग्निक व
प्राधान्य क्षीमक कम्ब, इशैरिवाक अग्निक दमन
वकम्ब ।

“ वेदप्रामाण्यवादी आस्तिकः ” ।

उग्रहणादि त्रिविधक दमन पावनक आदि विष्वाअ
कम्ब, इशैरिवाक दमनक अग्निक दमन वकम्ब ।

“ अस्ति परलोकः मतिर्यस्य स आस्तिकः ” ।

नग्निक दमनः : त्रिविधक दमन इवद्व अग्निक व
प्राधान्य क्षीमक कम्ब, इशैरिवाक दमनक नग्निक दमन
वकम्ब ।

“ वेदाप्रामाण्यवादी नास्तिकः ” ।

उग्रहणादि, त्रिविधक दमन पावनक आदि विष्वाअ
नकम्ब, इशैरिवाक दमनक नग्निक दमन वकम्ब ।

“ नास्ति परलोकः मतिर्यस्य स नास्तिकः ” ।

अग्निक दमन ८८४ →

- ४ अग्नि, ५ इमा, ७ न्यम, ४ इवमेविक, ७ इवद्व-
७ अग्निवा, ७ इवमेविक, ७ इवद्व-
७ अग्निवा, ७ इवमेविक, ७ इवद्व-

नग्निक दमन ७८४ →

- ४ अग्नि, ५ इमा, ७ न्यम ।

प्राधान्य क्षीमक दमन ७८४ इवद्व विष्वाअ

दर्शन

आन्तरिक

बाह्य

वेदप्रकृत

वेदानुगत

उपनिषद्

नवनिषद्

i) आंध्य -

i) वेदानु -

i) कारक -

i) जैन -

ii) योग -

ii) श्रीकाण्ड -

ii) श्याम -

iii) न्याय -

iv) वैशेषिक -

दर्शन

प्रतिशब्द

सूत्र ग्रन्थ

आंध्य दर्शन

⇒ अहर्षि वसिष्ठ

⇒ आंध्य सूत्र

योग दर्शन

⇒ पातञ्जलि

⇒ योग सूत्र

न्याय दर्शन

⇒ अहर्षि गोतम

⇒ न्याय सूत्र

वैशेषिक दर्शन

⇒ अहर्षि कण्ठ

⇒ वैशेषिक सूत्र

वेदानु दर्शन

⇒ ब्रह्मसूत्र

⇒ ब्रह्मसूत्र/वेदानुसूत्र

श्रीकाण्ड दर्शन

⇒ जैमिनि

⇒ श्रीकाण्ड सूत्र